भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव - सीएसआईआर प्लेटिनम जयंती समारोह
सीएसआईआर-केंद्रीय चर्म अनुसंधान संस्थान में 29-11-2016 को खुला दिवस

कार्यवाही का सारांश

भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव और सीएसआईआर प्लेटिनम जयंती समारोह के एक भाग के रूप में सीएसआईआर-सीएलआरआई ने 29-11-2016 को सीएसआईआर-सीएलआरआई, चेन्नई में स्कूल और कॉलेज के छात्रों के लिए खुला दिवस आयोजित किया है। सीएसआईआर-सीएलआरआई के निदेशक, डॉ बी चंद्रसेकरन ने खुला दिवस समारोह का उद्घाटन किया। उन्होंने अपने उद्घाटन भाषण में सीएसआईआर प्लेटिनम जयंती समारोह के संदर्भ में खुले दिवस के महत्व के बारे में समझाया। निदेशक ने कहा कि छात्रों को विज्ञान और प्रौद्योगिकी के प्रति प्रेरित करना खुला दिवस का उद्देश्य है। उन्होंने भारतीय चर्म उद्योग की सहायता करने में सीएलआरआई की अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों और इसकी भूमिका पर प्रकाश डाला है। उन्होंने यह भी कहा कि छात्रों के व्यापक समुदाय को विज्ञान के प्रयोगों में, जो खुले दिवस का हिस्सा हैं, भाग लेने की सुविधा प्रदान करने के लिए खुले दिवस समारोह सितंबर 2017 तक आयोजित किये जायेंगे। इस खुले दिवस के अवसर पर चेन्नई शहर के विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों के करीब 100 छात्रों ने भाग लिया है। छात्रों को तीन बैचों में बांटा गया है और सीएसआईआर-सीएलआरआई के शोध छात्रों ने प्रदर्शन / विज्ञान के प्रयोगों में भाग लेने में उनकी मदद की। तदनुसार, चर्मशोधन ब्लॉक में विभिन्न प्रकार के चर्म उत्पादों के प्रदर्शन के साथ-साथ विरोमण और क्रोमशोधन संबंधी चर्मशोधन प्रक्रिया का प्रदर्शन किया गया। उन्हें प्रतिदीप्ति माइक्रोस्कोपी, ग्लूकोज का आकलन, पोलीमरेज़ शृंखला प्रतिक्रिया, और मछली के चर्म से कोलेजन उत्पादों से संबंधित प्रयोग दिखाये गये। इसके अलावा, रसायन शास्त्र और धातु नैनोकणों, आणविक स्व एसेंब्ली, ऑप्टिकल माइक्रोस्कोप का उपयोग, पॉलिमरीकरण के संयोजन से एक्रिलिक पॉलिमर, द्रव की श्यानता और प्रतिदीप्ति की अवधारणा से संबंधित प्रयोग भी प्रदर्शित किये गये। प्रत्येक श्रेणी में, संस्थान के पीएचडी छात्र स्वयंसेवकों ने प्रयोगों में शामिल अवधारणाओं को समझाया और भाग लेने वाले स्कूल / कॉलेज के छात्रों ने उनके साथ विचार-विमर्श किया। वरिष्ठ वैज्ञानिकों ने इन सभी प्रदर्शनों और प्रयोगों का पर्यवेक्षण किया ताकि बेहतर समन्वय और पारस्परिक विचार-विमर्श सुनिश्चित

किया जा सके। सभी छात्रों ने दोपहर को संस्थान के उन्नत अनुसंधान और विकास गतिविधियों के लिए इस्तेमाल किये जानेवाले उपकरणों को देखने के लिए केंद्रीकृत परिष्कृत उपकरणीय सुविधा और परमाणु चुंबकीय अनुनाद (NMR) विभाग का दौरा किया। इसके बाद स्कूल और कॉलेज के छात्रों के लिए अलग अलग से विज्ञान प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया। विजेताओं को पुरस्कार दिए गए और सभी प्रतिभागी छात्रों को प्रमाण पत्र वितरित किये गये। समापन समारोह के दौरान डॉ एन.के. चंद्रबाबु, मुख्य वैज्ञानिक ने छात्रों को संबोधित करते हुए चर्म उद्योग के द्वारा रोजगार के सृजन में सीएलआरआई के महत्व के बारे में समझाया। उन्होंने कौशल भारत कार्यक्रम के लिए संस्थान की प्रासंगिकता पर जोर दिया। वर्ष 2020 में चर्म के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर 5 करोड़ रोजगार प्रदान करना इस कार्यक्रम का लक्ष्य है । डॉ एस एन जयशंकर द्वारा औपचारिक रूप से धन्यवाद प्रस्ताव के साथ यह कार्यक्रम समाप्त हुआ। आने वाले महीनों में कई और खुले दिवस कार्यक्रमों के आयोजन की योजना बनाई जा रही है, इसलिए इसमें भाग लेनेवाले छात्रों से राय मांगी गई। छात्रों ने कहा कि यह कार्यक्रम बहुत उपयोगी था तथा माइक्रोस्कोप और अन्य उपकरणों के साथ काम करने का अनुभव काफी उत्साहजनक रहा है। छात्रों और शिक्षकों ने कहा कि छात्रों को प्रेरित करते रहने के लिए सीएसआईआर-सीएलआरआई द्वारा इस तरह के कार्यक्रमों का आयोजन जारी रखा जाना चाहिए।

India International Science Festival - CSIR Platinum Jubilee Celebrations

Open Day at CSIR-Central Leather Research Institute on 29-11-2016

Summary of the Proceedings

As part of India International Science Festival and CSIR Platinum Jubilee celebrations, CSIR-CLRI has organized Open Day on 29-11-2016 at CSIR-CLRI, Chennai for school and college students. The Open Day celebrations were inaugurated by Dr. B. Chandrasekaran, Director, CSIR-CLRI. In his inaugural address, he explained the importance of open day in the context of CSIR Platinum Jubilee Celebrations. The purpose of the open day is to motivate the students towards science and technology, the Director added. He also dwelt upon the R&D activities of the CLRI and its role in assisting Indian leather industry. He also said that the open day celebrations would also be organized till September 2017 to facilitate wider range of students to access the science experiments which are part of the open day. As many as 100 students from different schools and colleges of Chennai city have participated in the Open Day. The students were grouped into three batches and CSIR-CLRI Research Scholars facilitated them to attend the demos/science experiments. Accordingly, leather processing related to unhairing and chrome tanning were demonstrated in tannery block along with display of various types of leather products. Experiments related to fluorescence microscopy, estimation of glucose, polymerase chain reaction, and collagen products from fish skin were shown to them. Further, experiments related to chemistry and metal nanoparticles, molecular self-assembly, use of optical microscope, acrylic polymer by addition polymerization, viscosity of liquid and concept of fluorescence hadalso beendemonstrated. In each category, the concepts involved in the experiments were explained by the Ph.D student volunteers of the institute and participating school/college students interacted with them. All the demos and experiments were supervised by the senior scientists to facilitate better coordination and interaction.

In the afternoon all the students visited centralized sophisticated instrumental facility and Nuclear Magnetic Resonance (NMR) facility to have glance of instruments that

are used for advanced R&D activities of the Institute. This followed a science quiz for school and college students separately. The winners were given prizes and all the participated students received certificates. In the valedictory function, Dr. N. K. Chandrababu, Chief Scientist addressed the students and explained the importance of CLRI in employment generation through leather industry. He had stressed the relevance of the Institute for the skill India programme which aims that in the year 2020 the leather sector to provide 5 million jobs at the National level. The programme concluded with the formal vote of thanks by Dr. S. N. Jaisankar. Since some more Open Day events are planned in the coming months, the feedback from participating students was sought. Students have expressed that the programme was very useful and were excited to have an experience in handling the microscopes and other equipment's by themselves.The students as well as teachers have expressed that this kind of programmes should be continued by CSIR-CLRI to motivate the students.

INDIA INTERNATIONAL SCIENCE FESTIVAL &
CSIR-PLATINUM JUBILEE CELEBRATIONS
OPEN DAY
29-11-2016
Tuesday
CSIR-Central Leather Research Institute
CSIR-CLRI

CSIR-CLRI

C
E
INDIA INTERNATIONAL SCIENCE FESTIVAL &
CSIR-PLATINUM JUBILEE CELEBRATIONS
OPEN DAY
29-11-2016
Tuesday